In the name of Allah the Most Gracious the Ever Merciful

بسم اللہ الرحمن الرحیم

Press Desk
Ahmadiyya Muslim Jamaat
INTERNATIONAL
(INDIA)

شعبہ پریس اینڈ میڈیا بھارت
Office Press & Media
Ahmadiyya Muslim Jama'at India,
Qadian-143516, Distt.Gurdaspur, Punjab, India.
Mobile: +91-99887 57988
Email: pressamjindia@gmail.com
Tel: +91-1872-500282
ahmadiyya_press ahmadiyyapressindia

(A Registered Religious and Charitable Society in India under the Societies Registration Act XXI 1860)

زیرحوالہ/Ref **271**

تاریخ/Date **28-12-2024**

प्रैस नोट

जमाअत अहमदिया का जलसा सालाना कौमी सहिषुणता का प्रतीक

विश्व शांति की स्थापना के लिए इस्लामी शिक्षाओं के प्रकाश में सिद्धांत और नियम प्रस्तुत किए गए

कादियान ज़िला गुरदासपुर

जमाअत अहमदिया के संस्थापक हजरत मिर्ज़ा गुलाम अहमद साहिब ने ईश्वर के आदेश अनुसार जलसा सालाना कादियान की बुनियाद 1891 में रखी थी । यह जलसा सर्वधर्म संभाव और आपसी भाईचारे का प्रतीक है।

इस जलसे का एक कार्यक्रम संघोषटी सर्वधर्म सम्मेलन के तौर पर मनाया जाता है और अपने अपने धर्म की शिक्षाओं पर आधारित अमन शांति और सर्वधर्म संभाव पर आधारित विचार सांझे किये जाते हैं। संस्थापक जमाअत अहमदिया हजरत मिर्ज़ा गुलाम अहमद साहिब ने सर्वधर्म सम्मेलन में सभी धार्मिक शखसियतों का सम्मान और उनके जज़बात का खियाल रखने के बारे में ध्यान केंद्रित किया है। इस साल मौसम की खराबी की वजह से यह जलसा मस्जिद अक्सा में आयोजित किया गया। जलसे की मुबारकबादी देने आए सम्मानित मेहमानों का दारुल-ज़ियाफत में स्वागत किया गया।

संस्थापक जमाअत अहमदिया हजरत मिर्ज़ा गुलाम अहमद साहिब कादियानी अनुसार:

"हे देश वासियों वह धर्म, धर्म नही जिसमें आम हमदर्दी की शिक्षा न हो, और न वह मनुष्य, मनुष्य है जिसमें हमदर्दी का मादा न हो । हमारे ख़ुदा ने किसी कौम से फर्क नही किया । सब के लिये की धरती फर्श का काम देती है और सब के लिये इस का सूर्य और चंद्रमा और अन्य कई सितारे रौशन दीप का काम दे रहे हैं। और अन्य सेवाए दे रहे हैं। इसके पैदा करने वाले तत्व अथार्त हवा पानी और आग और मिटटी और ऐसा ही इसकी दूसरी सभी पैदा करने वाली वस्तुओं अनाज फल इत्यादि से सभी कौमें लाभ उठा रही हैं। यह आध्यात्मिक आचरण

हमें सीख देते हैं कि हम भी लोगों से अच्छा व्यवहार करें और तंग दिल और तुच्छ सोच न बनें ।"

जमाअत अहमदिया की यह विशेषता है कि जिस हद तक शक्ति है सेवा के कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेती है और जो संसाधन हैं उनके अंदर रहकर जितनी सेवा मानवता की हो सकती है वह की जाती है और गरीबों को रोटी, उपचार और शिक्षा देने का प्रयास किया जाता है।
आज संसार तीसरे विश्व युद्ध की तरफ बड़ी तेज़ी से बढ़ रहा है। जमाअत अहमदिया अंतरराष्ट्रीय के रूहानी ख़लीफा हजरत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहिब संसार को शांति की स्थापना के लिये बुला रहे हैं तथा अल्लाह से संर्पक साधने, न्याय करने और आपसी मतभेद समाप्त करते हूए मानवता की सेवा के लिये आग्रह कर रहे हैं। अहमदिया मुस्लिम समुदाय के विश्व प्रमुख, पांचवें खलीफा ने इस संद्रर्भ में संसार के विभिन्न प्लेटफामों पर संसदों में भाषण दिये हैं और देशों के सलाहकारो, बुधीजिवीयों, प्रधानमंत्रीयों, राष्ट्रपतियों को पत्र लिख कर भेजे हैं जो "वल्ड क्राईसस एंड दी पाथवे टू पीस" नामी पुस्तक में प्रकाशित हो चुके हैं ।
इस अवसर पर बहत से धर्म गुरुओं तथा स्थानीय गणमान्य व्यक्तिगण उपस्थित थे उन सब ने संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि मुस्लिम जमात अहमदीया की पूरी दुनिया में अमन शांति के लिए जो प्रयास कर रही है वह सराहनीय है। इसके अलावा, बड़ी संख्या में कादियां के नजदीकी लोग भी शामिल हुए । जो भी शामिल होते हैं, उन्होंने जमात अहमदीया की अमन की स्थापना की कोशिशों को सराहा है। और जमात अहमदीया के मोटो प्रेम को सभी के लिए और नफ़रत किसी से नहीं के बैनर तले अपनी शुभकामनाएँ दीं।

भाषण 1: वैश्विक युद्ध के बुरे प्रभावों से बचने के लिए हज़ूर अनवर (अय्यद-हुल्लाह त'आला बिनस्रिहिल-अज़ीज़) के निर्देश माननीय के तारिक अहमद साहिब, एडिशनल नाज़िर इस्लाह ओ इरशाद, नूरुल इस्लाम, क़ादियान

सारांश: अपने भाषण में माननीय के तारिक अहमद साहिब ने दुनिया की खराब स्थिति और युद्ध जैसे हालात का उल्लेख किया। उन्होंने इस संदर्भ में अहमदिया मुस्लिम जमात के वर्तमान इमाम, हज़रत मिर्ज़ा मस्रूर अहमद साहिब (खलीफ़तुल मसीह खामिस, अय्यद-हुल्लाह त'आला बिनस्रिहिल-अज़ीज़) के निर्देश प्रस्तुत किए। हज़ूर अनवर ने दुनिया की स्थिति पर नज़र डालते हुए युद्ध के हालात की वजहों और इनसे बचने के उपायों के बारे में आम जनता को सचेत किया है।

भाषण संख्या 2: खलीफ़ा-ए-वक़्त का स्थान और मरतबा, ख़िलाफ़त की आज्ञाकारिता और इससे जुड़ाव के महत्व और बरकतें माननीय मुज़फ़्फ़र अहमद नासिर साहिब, नाज़िर इस्लाह ओ इरशाद मरकज़िया, क़ादियान

सारांश: अपने भाषण में माननीय मुज़फ़्फ़र अहमद नासिर साहिब ने खलीफ़ा-ए-वक़्त के स्थान और मरतबे को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ख़िलाफ़त की आज्ञाकारिता और खलीफ़ा-ए-वक़्त से जुड़ाव के परिणामस्वरूप एक व्यक्ति को कितनी आध्यात्मिक और भौतिक बरकतें प्राप्त होती हैं। यह भाषण ख़िलाफ़त से जुड़ाव की अहमियत और इसके फ़ायदों पर गहन चर्चा करता है।

भाषण संख्या 3: वित्तीय त्याग में जमात के सदस्यों का अनुपम उदाहरण और ईश्वरीय आशीर्वाद (हज़ूर अनवर के ख़ुतबात और ख़िताबात के प्रकाश में) माननीय रफ़ीक़ अहमद बेग साहिब, नाज़िर बैतुल माल आमद, क़ादियान

सारांश: अपने भाषण में माननीय रफ़ीक़ अहमद बेग साहिब ने अहमदिया मुस्लिम जमात के वर्तमान इमाम, हज़रत मिर्ज़ा मसूर अहमद साहिब (खलीफ़तुल मसीह खामिस, अय्यद-हुल्लाह त'आला बिनस्रिहिल-अज़ीज़) के ख़ुतबात और ख़िताबात के प्रकाश में जमात के सदस्यों द्वारा वित्तीय त्याग के बेमिसाल उदाहरण प्रस्तुत किए। उन्होंने यह भी बताया कि इन त्यागों के परिणामस्वरूप अल्लाह त'आला ने जमात और उसके सदस्यों पर कितनी अनगिनत आशीर्वाद और बरकतें प्रदान की हैं।

भाषण संख्या 4: हज़रत मसलह मआऊद (रह.) का ख़िताब "अहमदियत: यानी असली इस्लाम" - इसका पृष्ठभूमि और स्थायी प्रभाव माननीय मुनिर अहमद ख़ादिम साहिब, एडिशनल नाज़िर इस्लाह ओ इरशाद, दक्षिण भारत क़ादियान

सारांश: अपने भाषण में माननीय मुनिर अहमद ख़ादिम साहिब ने बताया कि अहमदिया मुस्लिम जमात के दूसरे ख़लीफ़ा, हज़रत मिर्ज़ा बशीरुद्दीन महमूद अहमद साहिब (रह.) ने किताब *"अहमदियत: यानी असली इस्लाम"* को उस समय लिखा जब इस्लाम विभिन्न फिरकों में बंट चुका था और दूसरे फिरके जमात अहमदिया पर दिन-रात आलोचनाएँ कर रहे थे। इस किताब में हज़रत मुसलह मआऊद (रह.) ने अहमदिया जमात के विश्वासों, सिद्धांतों और असली इस्लाम की शिक्षा का विस्तार से विवरण दिया। माननीय ख़ादिम साहिब ने यह भी बताया कि इस किताब के स्थायी प्रभावों का क्या असर हुआ और इसने कैसे लोगों को सही इस्लाम की समझ देने में मदद की।

भाषण संख्या 5: अहमदिया जमात और मानव सेवा (पंजाबी में) माननीय तनवीर अहमद ख़ादिम साहिब, इंचार्ज रिश्ता नाता विभाग, क़ादियान

सारांश: अपने भाषण में माननीय तनवीर अहमद ख़ादिम साहिब ने अहमदिया जमात द्वारा की जा रही मानव सेवा के कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि कैसे अहमदिया जमात की प्रत्येक संस्था में मानव सेवा को एक विशेष कार्यक्रम के रूप में अपनाया गया है और जमात के सदस्य इस पर किस हद तक अमल करते हैं। यह भाषण जमात के मानव सेवा के प्रति संकल्प और उसकी महत्ता को स्पष्ट करता है।

प्रेस नोट समाप्त

Tariq Ahmad K
Incharge Press & Media,
Ahmadiyya Muslim Jama'at India.
Mobile: +91-9988757988.